हिंदी आस्था समुदायों के लिए वैक्सीन तथ्य

वैक्सीन प्राप्त करने के बारे में आस्था गुरू क्या कहते हैं?

"लोकः समस्ताः सुखिनो भवन्तु" इस सार्वभौमिक हिंदी प्रार्थना का मतलब होता है – "सर्वत्र समस्त जीव आनंद और स्वतंत्र रहें, और सभी के लिए उस आनंद और स्वतंत्रता में किसी न किसी तरह से मेरे अपने जीवन के विचार, बोल, और कार्य का योगदान रहे।"

उपलब्ध डेटा की समीक्षा करने के बाद, हमारी सलाह है कि सभी पात्र व्यक्ति स्वयं की सुरक्षा और साथ ही उनके आसपास के बड़े समुदाय की सुरक्षा के लिए किसी उपलब्ध वैक्सीन को लगवाने पर विचार करें।– चिन्मय मिशन पोर्टलैंड

धार्मिक दृष्टिकोण और शाकाहारवाद

अमेरिका में उपलब्ध दो mRNA वैक्सीनों — **Pfizer-BioNTech और Moderna** — का उत्पादन भ्रूण कोशिकाओं से नहीं किया जाता।

उन्हें तैयार करने में भ्रूण कोशिकाओं का उपयोग नहीं किया जाता, जिसका अर्थ है कि आप जो इंजेक्शन लेते/ती हैं, उसमें भ्रूण कोशिकाएं नहीं हैं और ना ही उसकी विकास प्रक्रिया में भ्रूण कोशिकाओं का उपयोग किया जाता है।वायरसों को बढ़ने के लिए जीवित कोशिकाएं चाहिए होती हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने जीवित कोशिकाओं की "कोशिका क्रम" को विकसित किया है, जो प्रयोगशाला के अंदर अनियत रूप में अपने आप की प्रतिलिपियाँ तैयार कर लेती हैं और उनका उपयोग वायरसों की वृद्धि करने के लिए किया जाता है। इन कोविड-19 वैक्सीनों के अनुसंधान चरण के आरम्भ में, एक भ्रूण कोशिका क्रम का उपयोग यह परीक्षण करने के लिए किया गया था कि सक्रिय पदार्थ, मैसेंजर आरएनए ने उद्देश्य के अनुरूप कार्य किया है। इन परीक्षणों ने दर्शाया है कि मैसेंजर आरएनए, जब मानव कोशिकाओं में प्रवेश कराया जाता है, वायरल प्रोटीन का उत्पादन करता है, जिससे हम कोविड-19 का कारण बनने वाले वायरस के विरुद्ध प्रतिरक्षा विकसित कर लेते हैं।

अमेरिका में **Moderna और Pfizer-BioNTech** वैक्सीनों में ऐसे कोई पदार्थ नहीं होते, जो जानवरों से आते हैं। इन वैक्सीनों के अंदर सूअर या गाय के उत्पाद नहीं हैं। इनमें मैसेंजर आरएनए, पानी, चीनी, नमक और लिपिड (वसा) होता है, जो जानवरों से प्राप्त नहीं किये गए हैं।

दूसरी वैक्सीन **Johnson & Johnson** वैक्सीन में एक वायरस ("Adenovirus 26") का उपयोग किया जाता है, जो खुद से अपनी प्रतियां नहीं बना सकता। जब इस वायरस को मानव कोशिकाओं में प्रवेश कराया जाता है, वे अन्य वैक्सीनों की तरह ही वायरल प्रोटीन का उत्पादन करते हैं, जिससे हम कोविड-19 के विरुद्ध प्रतिरक्षा विकसित कर लेते हैं। इस वैक्सीन का उत्पादन करने में वैक्सीन के लिए आवश्यक वायरल वेक्टर का विकास करने के लिए "भ्रूण कोशिका क्रम" या प्रयोगशाला के अंदर 1970 से पुरानी भ्रूण कोशिकाओं से वृद्धि की गई कोशिकाओं का, विशेषकर PER.C6 का, उपयोग आवश्यक होता है, लेकिन अंतिम वैक्सीन के अंदर भ्रूण कोशिकाएं या संवर्धन कोशिकाएं नहीं होतीं।

भ्रूण कोशिका क्रम क्या होता है? भ्रूण कोशिका क्रमों का विकास मूल रूप से भ्रूण ऊतक से ली गई कोशिकाओं से किया जाता है या प्रयोगशालाओं में "संवर्धित" किया जाता है। उनका विकास स्वतंत्र रूप से किया जा सकता है। कोविड-19 वैक्सीन विकासकर्ताओं ने वैक्सीनों का परीक्षण या उत्पादन करते समय दो ऐतिहासिक भ्रूण कोशिका क्रमों का उपयोग किया है।

- HEK-293 — एक गुर्दा कोशिका क्रम, जिसे 1972 के आसपास एक भ्रूण से अलग किया गया था
- PER.C6 — एक रेटिनी कोशिका क्रम, जिसे 1985 में गर्भपात किये गए एक भ्रूण से अलग किया गया था

इन कोशिका क्रमों पर निर्भर वैक्सीनों के उत्पादन में नए गर्भपातों की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि प्रयोगशाला के अंदर ये कोशिकाएं खुद ही अपनी प्रतियाँ अनियत रूप से बना लेती हैं। यह चार्ट कुछ विकासाधीन कोविड-19 वैक्सीनों को दर्शाता है और दर्शाता है कि क्या या कैसे ये अपनी विकास प्रक्रिया में किस भी बिंदु पर इन भ्रूण कोशिका क्रमों का उपयोग करते हैं। फिर भी, यह नोट करना महत्वपूर्ण होता है कि इनमें से किसी भी वैक्सीन के अंदर भ्रूण कोशिका क्रम नहीं हैं।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

क्या वैक्सीन सुरक्षित है? हाँ। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के लिए किसी वैक्सीन को अनुमोदित करने से पूर्व कठोर सुरक्षा परीक्षण आवश्यक होता है। वैक्सीन के परीक्षण में कई पृष्ठभूमियों, आयुवर्गों और वर्ण समुदायों से हज़ारों लोगों - ऑरिगोनी समेत - ने भाग लिया। ये अध्ययन यह सुनिश्चित करने के लिए किये गए थे कि ये वैक्सीन सुरक्षा मानकों की पूर्ति करते हों और विभिन्न आयुवर्ग, नस्ल और जातियों के लोगों की रक्षा करते हों।

यदि मुझे कोई बीमारी है, तो क्या कोविड-19 वैक्सीन लेना सुरक्षित है? हाँ। कोविड-19 वैक्सीनेशन हृदय रोग, फेफड़ा रोग, मधुमेह और मोटापन जैसी बीमारियों से ग्रसित लोगों के लिए विशेषरूप से महत्वपूर्ण होता है। इन बीमारियों से ग्रसित लोगों के कोविड-19 से बहुत ही बीमार होने की अधिक संभावना होती है। ऐसे बीमारियों से ग्रसित लोग भी वैक्सीन अनुसंधान में भाग लिया था।

दुष्प्रभाव क्या होते हैं? एफडीए के अनुसार, कोविड-19 वैक्सीन परीक्षणों में सबसे सामन्य दुष्प्रभावों में शामिल हैं, इंजेक्शन स्थान पर दर्द, लाली या सूजन, थकावट, सिरदर्द, ठण्ड, मांसपेशी दर्द और जोड़ों का दर्द। इन प्रतिक्रियाओं का मतलब है कि वैक्सीन आपके शरीर को यह सिखाने में मदद करने का काम कर रहा ही कि यदि आप प्रभावित होते/ती हैं, तो कोविड-19 का मुकाबला कैसे करना है। अधिकाशं लोगों के लिए, ये दुष्प्रभाव कुछ दिन से ज़्यादा नहीं रहेंगे। यदि आपको कोई चिंता है, तो अपने डॉक्टर या नर्स को कॉल करें। क्या वैक्सीन के अंदर माइक्रोचिप होता है, ताकि सरकार मुझ पर नज़र रख सके? लोगों पर नज़र रखने के लिए कोविड-19 वैक्सीनों के अंदर कोई माइक्रोचिप नहीं होता। यह सुनिश्चित करने के लिए कि वैक्सीन शिपिंग बॉक्स आवश्यक स्थान पर वितरित हों और चोरी को रोका जाएँ, किसी भी अन्य शिपमेंट की तरह ही उन्हें ट्रैक किया जाता है। यह पक्का करने के लिए कि आपको अपनी सारी खुराकें मिलती हों, जहां आप वैक्सीन लगवाते हैं, उसका भी रिकॉर्ड रखा जाता है।

क्या वैक्सीन गर्भावस्था या स्तनपान में सुरक्षित है? हालंकि वैक्सीनों का अध्ययन अभी गर्भावस्था में नहीं किया गया है, उनमें कोई भी जीवित वायरस नहीं होते, और विशेषज्ञ सभी चरणों में, पूर्व-गर्भधारण, गर्भावस्था और गर्भावस्था के बाद वैक्सीनेशन की सिफारिश करते हैं। और यही नहीं, गर्भवती लोग, जो गर्भवती नहीं हैं, उनके मुकाबले में कोविड-19 से और अधिक गंभीर रूप से बीमार होते हैं और उनके अस्पातल में भर्ती कराने और गहन देखभाल की आवश्यकता की अधिक संभावना होती है। इन कारणों के चलते, रोग नियंत्रण तथा निवारण केंद्रों (सीडीसी) सिफारिश करते हैं कि कोविड-19 वैक्सीन गर्भवती लोगों को दिया जाना है। इसी प्रकार से, हालांकि स्तनपान कराने वाले लोगों में कोविड-19 वैक्सीन के आंकडें उपलब्ध नहीं हैं, वे स्तनपान करने वाले शिशुओं के लिए जोखिम नहीं माने जाते, इसलिए स्तनपान कराने वाले लोगों को वैक्सीन दिया जा सकता है। वैक्सीन लगवाने के बारे में यदि आपके अतिरिक्त प्रश्न हैं, तो अच्छा होगा को आप उनकी चर्चा अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता के साथ करें। गर्भावस्था और कोविड-19 वैक्सीनों के बारे में अधिक जानकारी यहाँ लें।

दस्तावेज़ उपलब्धता: अपंग व्यक्तियों या अंग्रेज़ी के अतिरिक्त कोई दूसरी भाषा बोलने वाले व्यक्तियों के लिए, OHA अनुवाद, बड़े प्रिंट, या ब्रेल जैसे वैकल्पिक फॉर्मेट में जानकारी उपलब्ध करा सकता है।1-971-673-2411, 711 TTY या COVID19.LanguageAccess@dhsoha.state.or.us पर स्वास्थ्य सूचना केंद्र से संपर्क करें।